| | | |
|---|---|---|
| | **શ્રી મહાવીરાય નમઃ**<br>**Shree Greater Bombay Vardhman Sthanakvasi Jain Mahasangh**<br>Conducted<br>**MATUSHREE MANIBEN MANSHI BHIMSHI CHHADVA DHARMIK SHIKSHAN BOARD**<br>**Website** jainshikshan.org **Email** jainshikhshanboard@gmail.com | **Shreni 3**<br>**Lipi Hindi**<br>**Hindi**<br>**Jain Shala**<br>**January 2026**<br>**Marks 100** |

| | | | |
|---|---|---|---|
| Student Name | | Roll No | |
| Date of Birth | | Mobile Number | |
| Sangh Name | | Regular / Open book | |
| Jainshala Name | | Writer yes / No | |
| Supervisor Name | | Supervisor Signature | |

## सूत्र विभागना आधारे जवाब लखो / सूत्र विभाग के अनुसार

| | |
|---|---|
| **1. नीचेना पाठनी पूर्ति करो. ( कोईपण - ५ )**<br>**नीचे दीए गए पाठ की पूर्ति करो. ( कौनसा भी - ५)** | **मार्क - 10** |

1. वत्थ / वत्थ ……, ……, ……,

   ……. पीढ / पीढ|

2. कंखा / कंखा……, ……, ……,

   ……. वहे / वहे|

3. देवसियाए / देवसियाए ……, ……, ……,

   ……. मण दुक्कडाए / मण दुक्कडाए|

4. वाईओ / वाईओ ……, ……, ……,

   ……. अकरणिज्जो / अकरणिज्जो|

5. वत्थ विंहिं / वत्थ विंहिं ……, ……, ……,

   …….पेज्ज विंहिं / पेज्ज विंहिं|

6. परिग्रह / परिग्रह ……..., ……....., ……,

……..... राग / राग|

7. जिणे / जिणे ……..., ……....., ……,

……..... उषभ / उषभ|

| **2. जोडका जोडो / जोडका जोडो\|** | **मार्क - 5** |
|---|---|

| A | | B |
|---|---|---|
| 1. ओसा / ओसा | | शिक्षाव्रत / शिक्षाव्रत |
| 2. अणायारो / अणायारो | | करुं छुं / में करतां हुं |
| 3. वत्तिया / वत्तिया | | आचरवा योग्य नहीं / आचरवा योग्य नहीं |
| 4. करेमि / करेमि | | धूळे करी ढाक्यां होय / धूळे करी ढाक्यां होय |
| 5. सिक्खवयाणं / सिक्खवयाणं | | ञाकळ - ठार / ञाकळ - ठार |

| **3. नीचेना श्ब्दोना गुजरातीमां अर्थ लखो.<br>नीचे दिये हुए शब्दो के अर्थ हिंदी में लिखो\|** | **मार्क - 5** |
|---|---|

1. गरिहामि / गरिहामि :-_____
2. मोहरिए / मोहरिए :- _____
3. सव्व कालियाए / सव्व कालियाए :- _____
4. किलामो / किलामो :- _____
5. सिव / सिव :- _____

==========

| 4. नीचेना अर्थना मूळ मागधी शब्द लखो. ( कोईपण - ५)<br>नीचे दिये अर्थ का मूळ मागधी शब्द लिखो| (कौनसा भी - ५ ) | मार्क - 5 |
|---|---|

1. सामा आवता हण्या होय / सन्मुख आते हुए को कुचला हो| :- _____.
2. आपनी संयम यात्रा सुखरूप छे? / आपकी संयम यात्रा सुखरूप है| :- _____.
3. गहॉ करूं छुं / गहॉ करता हुं| :- _____.
4. मस्तक थी वंदित / मस्तक से वंदित :- _____.
5. त्यां सुधी / तब तक :- _____.
6. चिंतन करवाने माटे / चिंतन करने योग्य :- _____.
7. सूत्र विरुद्ध कयुँ होय / सूत्र विरुद्ध किया :- _____.

| 5. अयोग्य ने गोळ करो. / अयोग्य को गोळ करो. | मार्क - 5 |
|---|---|

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | असणं | पाणियं | खाईमं | साईमं |
| | असणं | पाणियं | खाईमं | साईमं |
| 2. | सुतागमे | अत्थागमे | ज्ञानगमे | तदुभयागमे |
| | सुतागमे | अत्थागमे | ज्ञानगमे | तदुभयागमे |
| 3. | कंदप्पे | कुक्कुईए | मोहरिए | सागरिए |
| | कंदप्पे | कुक्कुईए | मोहरिए | सागरिए |
| 4. | सक्कारेमि | कल्लाणं | चेईयं | छीएणं |
| | सक्कारेमि | कल्लाणं | चेईयं | छीएणं |
| 5. | मण दुक्कडाए | काय दुक्कडाए | काय दुप्पणिहाणे | वय दुक्कडाए |
| | मण दुक्कडाए | काय दुक्कडाए | काय दुप्पणिहाणे | वय दुक्कडाए |

| 6. सामायिकना ३२ दोषमांथी लखो.<br>सामायिक का ३२ दोष लिखए| | मार्क - 3 |
|---|---|

1. मननो नवमो _____ दशमो दोष_____

   मन का नववां _____ दशवा दोष _____

==========

2. वचननो पहेलो _____ बीजो दोष _____

वचन का पहेलो _____ दुसरा दोष _____

3. कायानो पहेलो_____ छेल्लो दोष _____

काया का पहेलो _____ छेल्ला दोष _____

| 7. नीचेना प्रश्नोना जवाब लखो. / नीचे के प्रश्नोना उत्तर लिखेए। | मार्क - 5 |
|---|---|

1. साधना सफळ क्यारे थाय? / साधना सफळ कब होती है| _____.

2. सम्यक् दर्शन एटले शुं? / सम्यक् दर्शन याने क्यां? _____.

3. अवग्रह एटले शुं? / अवग्रह याने क्यां? _____.

4. उकडुं आसन कया आवश्यकनुं छे? / उकडुं आसन कौनसे आवश्यक में करते है? _____.

5. संपूर्ण प्रतिक्रमणना planning नो पाठ क्यो छे? / संपूर्ण प्रतिक्रमण में planning का पाठ कौनसा है?

_____.

| 8. मात्र आंकडामां जवाब लखो. / सिर्फ अंको में उत्तर लिखेए। | मार्क - 2 |
|---|---|

1. योगनुं प्रतिक्रमण क्यां गुणस्थाने थाय? _____

योग का प्रतिक्रमण कोनसे गुणस्थान में होता है? _____

2. मनुष्य पासे पाप सेवनना साधन केटला छे? _____

साधक के पास पाप सेवना के साधन कितने है? _____

## सामन्य समजण विभागना आधारे / सामन्य समजण खंड

| 9. अयोग्य CIRCLE करो. / अयोग्य CIRCLE करो. | मार्क - 4 |
|---|---|

| | | | | |
|---|---|---|---|---|
| 1. | गरणुं | पूंजणी | चारणी | लाईट |
| | गरना | पूंजणी | छलनी | लाईट |
| 2. | वटाणा | गाजर | लसण | सूरण |
| | मटर | गाजर | लहसूण | सूरण |

==========

3. दीपावली होळी पर्युषण आयंबिल

दीपावली होळी पर्युषण आयंबिल

4. विकारवृत्ति वधे डर वधे कषाय वधे गुस्सो वधे

विकारवृत्ति बढता डर बढता कषाय बढता गुस्सो बढता

| **10. खाली जग्या पूरो. / रिक्त स्थानोकी पूर्ति करो.** | **मार्क - 5** |
|---|---|

1. बधा जीवो मारा जेवा छे, मारा _____ छे.

   सभी जीव मेरे समान हैं| मेरे _____ हैं|

2. जतना एटले _____लक्ष.

   जतना का अर्थ हैं| _____ का लक्ष्य|

3. _____ एटले तहेवार.

   _____ का अर्थ हैं त्योहार|

4. _____ अनंतकाय छे.

   _____ अनंतकाय हैं|

5. जेवुं आपशो, तेवुं _____.

   ''जो देते हैं, वही _____'' .

| **11. एक शब्दमां जवाब लखो. / एक शब्दमें उत्तर लिखेए|** | **मार्क - 5** |
|---|---|

1. वैज्ञानिक नी द्रर्ष्टिए कंदमूळ ए केवो खोराक गणाय छे? _____

   वैज्ञानिक की द्रर्ष्टिकोण से कंदमूळ को कैसा भोजन माना हैं? _____

2. विशेष लोको उजवे ते क्युं पर्व छे? _____

   कौनसा पर्व खास लोग द्वारा मनाया जाता हैं? _____

3. स्नान करती वखते शेनो उपयोग न करवो? _____

   नाहते समय कीसका प्रयोग न करे? _____

4. फणगावेला कठोळमां फणगा फुटे छे, तेमां कई काय होय छे? _____

   अंकुरित Grains में जो अंकुर फुटते है वह कौनसी काय हैं? _____

==========

5. जीवोनी जतना करवाथी शुं लाभ थाय? _____

जीवो को बचाने से कौनसे कर्म का बंध होता हैं? _____

| 12. साचुं छे के खोटुं ते लखो. / सच हे या जुठ वह लिखए। | मार्क - 5 |
|---|---|

1. गणधर गौतमस्वामीने केवळज्ञान प्रगटय दिन ते दीपावली पर्व छे? _____

   क्या दीपावली पर्व वह दिन है जब गौतम गणधर को केवळज्ञान की प्राप्ति हुई थी? _____

2. धूळेटीना दिवसे बधाने पतंग उडाववानी मजा आवे छे? _____

   क्या सभी लोग को रंगपंचमी के दिन पतंग उडाने की मजा आती हैं? _____

3. सवारे उठीने घरनुं कामकाज शरु करतां पहेला अवश्य ञाडुं काढवुं? _____

   क्या सुबह उठकर घर का काम शुरु करने से पहले घर में आवश्य झाडु लगा ले? _____

4. अनाज, लोट, मसाला वगेरे चाळवाना साधनने पूंजणी कहेवाय? _____

   अनाज, आटा, मसाले आदि छानने के उपकरण को पूंजणी कहते हैं? _____

5. आपणे एक श्वास लईने छोडीए तेटली वारमां कंदमूळना जीव **( १७.५ - साडा सत्तर)** वार जन्म मरण करे छे?

   _____

   हम एक सांस लेते है और छोड देते है उतने समय में कंदमूळ के जीव के **( १७.५ - साढे सत्रह )** बार जन्म मरण हो जाते है? _____

## तत्व तथा संस्कार विभाग / तत्व और संस्कार खंड

| 13. मात्र आंकडामां जवाब लखो. / उत्तर केवल संख्या में लिखे। | मार्क - 3 |
|---|---|

1. ज्ञान वृद्धिना बोल केटलां? _____

   ज्ञान वृद्धि के कितने बोल है? _____

2. पाप करवाथी केटली गतिमां जवाय? _____

   पाप करने से कितनी गति में जाना पडतां है? _____

3. आपणो जीव अनादिकाळथी केटली जीवायोनिमां परीभ्रमण करे छे? _____

   जीव अनादि काल से कितनी जीवायोनि में परीभ्रमण कर रहा है? _____

| 14. एक शब्दमां जवाब लखो. / एक शब्दमां जवाब लखो। | मार्क - 7 |
|---|---|

1. जे कार्यनुं फळ सुख स्वरूपे भोगवाय तेने शुं कहेवाय? _____

   जिस कार्य का फल सुख के रूप में भोगा जाता है उसे क्या कहते है? _____

==========

2. शुं शीखवा माटे पुरुषार्थ करवो जोईए? _____

क्या सीखने के लिए पुरुषार्थ करना चाहिए? _____

3. कोने साधुना दर्शनथी जातिस्मरण ज्ञान थयुं? _____

एक साधु के दर्शन से जाति स्मरण ज्ञान किसने प्राप्त किया?_____

4. क्रोधनुं फळ जाणीने कोण शांत थयुं? _____

क्रोध का फल जानकर कौन शांत हुआ? _____

5. कोनो विनय करवाथी ज्ञान वधे छे? _____

किसकी आज्ञा मानने से ज्ञान में वृद्धि होती ? _____

6. चार गतिमांथी कई गतिमां सिद्धदशा - मोक्षनी प्राप्ति करी शकाय? _____

सिद्धदशा - मोक्ष चार गति में से कोनसी गति में प्राप्त हो सकती है?_____

7. जीवनमां बधुं सारूं जोईए तो शुं करवुं ज जोईए? _____

यदि जीवन में सब कुच अच्छा चाहते है तो हमें कौनसा कार्य अवश्य करना चाहिए| _____

| **15. साचुं छे के खोटुं ते लखो. / सच हे या जुठ वह लिखए\|** | **मार्क - 5** |
|---|---|

1. पुण्य करवाथी नरक अथवा तियँच गतिमां जवुं पडे? _____

पुण्य करने से नरक या तियँचगति में जाना पडता है? _____

2. आपणा करेला कर्मो आपणे ज भोगववा पडे छे? _____

हमें अपने कर्मो की किंमत चुकानी पडती है? _____

3. जिनवाणीनुं श्रवण पुण्य करवाथी मळे छे?_____

जिनवाणी का श्रवण पुण्य करने से मिलता है? _____

4. पढमं नाणं ! तओ दया आ भगवानना वचनो छे? _____

पढमं नाणं ! तओ दया यह भगवानना वचन है? _____

5. बाळकमां आहार ग्रहणना संस्कार तेनी माता आपे छे? _____

क्या मां बच्चे को भोजन ग्रहण करने का संस्कार देती है? _____

==========

## धर्म अने विज्ञान विभाग / धर्म और विज्ञान खंड

| 16. સાચું છે કે ખોટું તે લખો. / सच हे या जुठ वह लिखए। | मार्क - 5 |
|---|---|

1. विज्ञान तो श्रद्धा नो विषय छे?_____

   क्या विज्ञान आस्था का विषय है? _____

2. जैनधर्म आगममां दस प्रकारनी समाचारीनुं कथन छे? _____

   जैनधर्म के आगमोमें दस प्रकार की समाचारी बताइ गइ है? _____

3. विज्ञान कहे छे मन प्रसन्न त्यां तन निरोगी होय? _____

   क्या विज्ञान कहता है कि जहां मन प्रसन्न  वहां तन स्वस्थ रहतां है? _____

4. धर्म पासे सर्व श्रेष्ठ ज्ञान छे? _____

   क्या धर्म में श्रेष्ठ ज्ञान है? _____

5. पुण्य बंधनी साची समज आपणने धर्म पासेथी मळे छे? _____

   पुण्य बंध की सही समज हमें धर्म से मिलती है? _____

## कथा विभाग /  कहानी खंड

| 17. नीचेना प्रश्नोना जवाब एक शब्दमां लखो.<br>निम्नलिखित प्रश्नो के उत्तर एक शब्द में लिखए। | मार्क - 5 |
|---|---|

1. श्री कृष्ण वासुदेवना शंखनुं नाम शुं हतुं? _____

   श्री कृष्ण वासुदेव के शंख का क्या नाम था? _____

2. कौरवोना सौथी मोटा भाईनुं नाम शुं हतुं? _____

   कौरवों के सबसे बडे भाई का नाम क्या था? _____

3. नेमनाथ भगवान क्यांथी निर्वाण पाम्यां? _____

   भगवान नेमनाथ ने निर्वाण कहाँ से प्राप्त किया? _____

4. नेमकुमार ना लग्न कोनी साथे थवाना हता? _____

   नेमकुमार का विवाह किससे होने वाला था? _____

==========

5. आखी नगरीमां सारो माणस अने खराब माणस गोतीने लाववानुं मन कोने थयुं?_____

पूरे शहर में एक अच्छे आदमी और एक बुरे आदमी को लाने का विचार किसके दिमाग में आया?

_____

| **18. खाली जग्या पूरो. / रिक्त स्थानो की पूर्ती करो।** | **मार्क - 5** |
|---|---|

1. श्री नेमनाथ भगवान _____नगरना समृद्धिवान राजाना पुत्र हतां.

   श्री नेमनाथ भगवान _____ नगर के समृद्धिवान राजा के पुत्र थे।

2. जेनी जेवी _____होय, तेवुं ज तेने देखाय छे.

   जिसकी जैसी_____ उसे, वैसा ही दिखता है।

3. पांडवनो मोटा भाई _____हतां.

   पांडवो का बडा भाई _____ था।

4. हे रहनेमि! आपणा बंनेनुं कुळ _____श्रेष्ठ छे.

   हे रहनेमि! हमारे दोनो का कुल_____श्रेष्ठ है।

5. _____ सडेला कानवाळी हती.

   _____ के कान सडे हुए थे।

## काव्य विभाग / काव्य खंड

| **19. खाली जग्या पूरो. (कोईपण - 5)**<br>**रिक्त स्थानो की पूर्ती करो। (कोई भी - 5)** | **मार्क - 10** |
|---|---|

1. मंदिर छो / मंदिर छो, ……

   ……तारी विभु / तारी विभु।

2. नवकार मंत्र / नवकार मंत्र, ……

   ……वाणीने / वाणीने।

==========

3. अमृत ञरे / अमृत ञरे,……..

…….. विभु / विभु|

4. में परभवे / में परभवे, ……..

……पाम्यो नहीं / पाम्यो नहीं|

5. ठगवा विभु / ठगवा विभु ,……

……करवा कर्या / करवा कर्या|

6. हुं क्रोध / हुं क्रोध, ……

……ध्यावुं तने / ध्यावुं तने|

7. ऐ चार भेदे / ऐ चार भेदे ……

……निष्फळ गयुं / निष्फळ गयुं|

**जय जिनेन्द्र**